ई.एच.आई.–02

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2017 और जनवरी 2018 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.–02

पाठ्यक्रम शीर्षक : भारत : आदिकाल से आठवीं शताब्दी ईसवी तक

इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

सत्रीय कार्य
2017–2018

कार्यक्रम कोड : बी.डी.पी.
पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई..02

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि आपको बी.डी.पी. की कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है आपको इस ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्र	जमा करने की तिथि	कहां जमा करना है
जुलाई 2017 सत्र के लिए	**31 मार्च 2018**	**पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने केंद्र के संयोजक के पास जमा करा दें।**
जनवरी 2018 सत्र के लिए	**30 सितम्बर 2018**	

सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लीजिए।

सत्रीय कार्य करने से पहले कुछ बातें :

सत्रीय कार्य करने से पहले ध्यान रखें : सामाजिक विज्ञानों में किसी भी तरह के लेखन के लिए चार सोपान आवश्यक हैं। ये हैं (क) योजना (ख) वस्तु चयन (ग) प्रस्तुतीकरण (घ) व्याख्या

क) योजना : आपसे क्या प्रश्न पूछा गया है और उत्तर में क्या लिखना है। इस पर विचार कीजिए। इकाइयों का ठीक तरह से अध्ययन कीजिए। कुछ अतिरिक्त जानकारी चाहें तो पुस्तकालय का उपयोग कीजिए।

यह देखें कि प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में देना है या 250 शब्दों में या सिर्फ 100 शब्दों में। बड़े प्रश्नों के लिए विवरणों के साथ व्याख्या भी करनी होगी। तीसरे प्रकार के प्रश्न के उत्तर में संगत विवरणों को संक्षेप में प्रस्तुत करें।

ख) वस्तु चयन : उत्तर देने के लिए आपको सही तथ्यों तथा विवरणों का चयन करना होगा। इसके लिए आप (i) अपनी इकाइयों से नोट्स लें (ii) तथ्यों को ध्यान से देखें और उत्तर के लिए अनावश्यक विवरण निकाल दें और (iii) उत्तर का पहला खाका लिख लें। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि आप उत्तर में क्या सूचनाएं/विवरण प्रस्तुत करना चाहते हैं।

ग) **प्रस्तुतीकरण** : अब आप उत्तर का दूसरा खाका तैयार करें। इससे आप अपने विचारों को स्पष्टता से व्यक्त कर सकेंगे। आप यह भी जान सकेंगे कि दी गयी शब्द सीमा में आप बात कैसे कह सकते हैं।

उत्तर का तीसरा और अंतिम प्रारूप तैयार कीजिए और देखिए कि आपने सारी आवश्यक बातें अपेक्षित शब्द सीमा में प्रस्तुत की हैं या नहीं।

घ) **व्याख्या** : इतिहास लेखन में व्याख्या की प्रक्रिया का अनन्य स्थान है। आपकी योजना तथा वस्तु चयन में भी व्याख्या की झलक दिखाई देगी। संभवतः, शायद, क्योंकि, इसलिए, आदि शब्दों के साथ आपके वक्तव्य व्याख्या की झलक देते हैं। यहां आपको ध्यान रखना होगा कि आपके तथ्य आपके वक्तव्य का समर्थन करते हैं अथवा नहीं।

टिप्पणी : अगर आपके पास समय सीमित हो तो :

1) पहला प्रारूप तैयार करें, उत्तर की संगतता, शब्द सीमा, आदि पर ध्यान दें, और
2) अंतिम प्रारूप तैयार करें।

अब आप उत्तर लिखने के लिए तैयार होंगे।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य
ई.एच.आई.–02
भारत : आदिकाल से आठवीं शताब्दी ईसवी तक

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.–02
सत्रीय कार्य कोड : ई.एच.आई.–02/
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2017–2018
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के निर्धारित अंक प्रश्न के सामने लिखें हैं।

भाग 1: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1 प्रारंभिक वैदिक काल के दौरान समाज, अर्थव्यवस्था, राज्य व्यवस्था और धर्म की मुख्य विशेषताओं की चर्चा कीजिए। **20**

अथवा

'हड़प्पा' सभ्यता के आविर्भाव एवं भौगोलिक विस्तार की चर्चा कीजिए। 'हड़प्पा' संस्कृति के पतन से संबंधित विविध सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।

2 उत्तर भारत में छठी शताब्दी (ई.पू.) के दौरान सोलह महाजनपदों के आविर्भाव का सविस्तार वर्णन कीजिए। **20**

अथवा

मौर्य साम्राज्य के केंद्रीय प्रशासन एवं अर्थव्यवस्था की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

भाग 2: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3 अत्यंत नूतनकाल के दौरान पुरापाषाण संस्कृति और उसके औज़ारों की मुख्य विशेषता का वर्णन कीजिए। **12**

अथवा

दक्षिण भारत (तमिलहम) के प्रारंभिक राज्य गठन की प्रकृति का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

4 गुप्तकाल में राज्य गठन की प्रक्रिया के विकास का वर्णन कीजिए। **12**

अथवा

उत्तर भारत में उत्तर-गुप्त काल में राज्यों के विस्तार पर संक्षेप में नोट लिखिए।

5 200 ई.पू. में 300 ई. के दौरान राज्य व्यवस्था, अर्थव्यवस्था और व्यापार की संकल्पना की चर्चा कीजिए। **12**

अथवा

गांधार, मथुरा और अमरावती कला शैली की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

6 अशोक की धम्म नीति के मुख्य सिद्धांतों का परीक्षण कीजिए। **12**

अथवा

छठी शताब्दी ई.पू. के दौरान बौद्ध धर्म और जैन धर्म के नए धार्मिक विचारों के उदय की पृष्ठभूमि पर चर्चा करें।

भाग 3: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर लगभग 100-100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए : 6+6

(i) उत्तर काली पालिश वाली मृदभांड संस्कृति (Northern Black Polished Ware Culture)
(ii) भारतीय-यूनानी संस्कृति (इंडो-ग्रीक्स)
(iii) चंद्रगुप्त द्वितीय
(iv) ब्राह्मणवाद